

राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर

अपील / निगरानी सं. 598/10 जिला टोंक

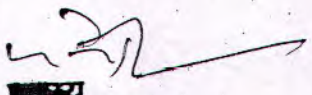
कीमती करमी पाले मोहम्मद रफीक 15 राज - नंबर

उनवान

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनीशियल जज	नम्बर व तारीख अहमकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
----------------	----------------------------------	---

31.05.2016

एकल पीठ
श्री मनोहर पुरी - सदस्य
 विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित | वकील व्यवसायी.....
 उपस्थित अनुपस्थित | पत्रावली पेश हुई | प्रार्थी अप्रार्थी
 समय चाहते हैं | मिसल दिनांक..... 13.07.2016
 को एकलपीठ के समक्ष कैम्प प्रथम पेश हो | निगरानी के
 क्रि.सं. /128/14 टोंक प्रथम पत्र के स्वीकार
 किये जाने के पश्चात् से दिनांक 10.03.2015
 से प्रार्थी की ओर से कोई उपस्थित नहीं
 हो रहा है।

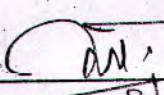

 सदस्य
 राजस्थान कर बोर्ड,
 अजमेर

13.07.2016

पीठसमक्ष अधिकांश के अवकाश पर देने से
 विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित |
 वकील व्यवहारी श्री.....
 अनुपस्थित/उपस्थित | बैठ नहीं बनने से ~~काम~~
~~अपील~~ से प्रार्थी बदली गई | मिसल वास्ते बहस
 दिनांक 08/09/16 को ~~पीठ~~ / एस.बी. कैम्प.....
 के समक्ष पेश हो।

श्री सतीश चौधरी - सचिव

08/09/16 प्रार्थी/ निगरानीकर्ता की ओर से
 कोई उपस्थित नहीं | अप्रार्थी सं. 1 (state)
 की ओर से श्री आरं के. अजमेरा उप
 राजकीय अभिभाषक उपस्थित अप्रार्थी सं. 2 से 4
 की तामील हेतु इन्हें उपाय के रेस्टोरेशन
 पश्चात् आज तक नोटिस लगवाना प्रस्तुत नहीं
 किए गए हैं।


 08/09/16

अपील:

राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर

अपील / निगरानी सं. 598/2010/Tonk जिला

श्रीमति कमला v State & Ors

उनवान

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनीशियल जज	नम्बर व तारीख अहमकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
	<p><u>Case No</u> पत्रावली के श्वलोकन के पश्चात् यहाँ यह उल्लेखनीय है कि उक्त प्रकरण निगरानी दिनांक 30.04.2010 को प्रस्तुत की गयी। प्रार्थी की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं आने पर कुमशा दिनांक 12.12.2011 व दिनांक 28.11.14 को प्रकरण दो बार अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जा चुका है। रेस्टोरेशन प्राथमिक पत्र प्रस्तुत करने पर कुमशा दिनांक 30.3.2012 व दिनांक 13.01.2015 को प्रकरण को पुनः नम्बर पर दर्ज किया गया। दिनांक 30.01.15 को प्रकरण पुनः रेस्टोर होने के पश्चात् से आज तक प्रार्थी की ओर से कोई उपस्थित नहीं आया है। आज भी इस समय 1:00 pm पर तक प्रार्थी की ओर से कोई उपस्थित नहीं है। प्रार्थी व उनके अधिवक्ता को कानानर पर आवाजे लगावायी लेकिन कोई उपस्थित नहीं आया। अतः उपर्युक्त समस्त तथ्य एवं परिस्थितियों को ध्यान में परिपेक्ष में यह प्रतीत होता है कि प्रार्थी प्रकरण को खटाना नहीं चाहते हैं। अतः उक्त निगरानी 598/2010/Tonk अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली के समस्त सुमार होकर बक तकनीक कारिखल दफ्तर है।</p>	
	<p>DWS 08/09/10</p>	<p><i>Dr. Rajendra</i> 26/8/10</p>